सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 38 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 13 मार्च, 2023
मूल्य ₹ 3/-

बिना गुरु के किसी को भगवान का नाम नहीं मिला है।
-गुरु गोबिंद सिंह

राज्य का दर्जा वापस हो, विस चुनाव... 2
फिर निकला महिला आरक्षण विधेयक... 3
साढ़े तीन साल बाद बोला विराट... 7

लंदन में बयान, सदन में घमासान

राहुल गांधी के कैंब्रिज में दिए भाषण पर हंगामा

» दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लंदन में दिये बयान पर लोक सभा व राज्य सभा में सत्ता पक्ष व विपक्ष में जमकर तीखी बहस हुई। बाद में हंगामा तेज होने पर दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सदन के सभी सदस्य विदेश में दिए गए बयान की निंदा करे। वहीं राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने भी राहुल गांधी पर निशाना साधा। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने इस मामले पर कहा कि लोकसभा में राहुल गांधी को जितना समय दिया गया था उससे ज्यादा वो बोले हैं, फिर कैसे बोलते हैं कि उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया जाता, उन्होंने भारत के बाहर भारत का कितना अपमान किया। उन्होंने भारत के लोकतंत्र को बचाने के लिए दूसरे देश से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। ये भारत का, भारत के लोकतंत्र का और संसद का अपमान है। वो झूठ बोलकर इस देश का अपमान क्यों कर रहें?

विपक्षी दलों ने बनाई सरकार को घेरने की रणनीति

बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान दोनों सदनों में रणनीति तैयार करने के लिए विपक्षी दलों की बैठक सुबह पूरी हुई । लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक मणिकम टैगोर ने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि विपक्ष एकजुट रुख अपनाए। उन्होंने कहा कि हम लोगों के मुद्दें मूल्य वृद्धि, एलपीजी लागत, एजेंसियों के दुरुपयोग, किसानों के मुद्दें, राज्यपालों के हस्तक्षेप को उठाना जारी रखेंगे।

बीआरएस का राज्यसभा में स्थगन प्रस्ताव का नोटिस

बीआरएस चीफ और तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता के खिलाफ दिल्ली शराब घोटाले में ईडी की कार्रवाई को लेकर भी जोरदार विरोध हो रहा है। बीआरएस नेता और राज्यसभा सदस्य के केशव राव ने इस मामले में स्थगन प्रस्ताव दिया है।

मोदी कहें तो सही, राहुल कहें तो गलत : खरगे

राज्य सभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी को लेकर बीजेपी नेता पीयूष गोयल के बयान को लेकर पलटवार किया। खरगे ने कहा, हमें किसी कॉलेज में डेमोक्रेसी की बात कहने पर देशद्रोही कहा जाता है। विदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयानों का जिक्र करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने बीजेपी पर हमला बोला। खरगे ने कहा कि अगर पीएम खुद विदेश में ऐसी बात कहें तो सही और राहुल गांधी कहें तो गलत हो जाता है, ये तो उल्टा चोर कोतवाल को डांटने वाली बात हो गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पीयूष गोयल ने राहुल गांधी के भाषण को अपने ढंग से पेश किया. ये इस देश के डेमोक्रेसी को कुचल रहे हैं। डेमोक्रेसी की जगह बीजेपी के राज में नहीं है। हर स्वायत्त निकाय का दुरुपयोग कर रहे हैं।

सदन के सभी सदस्य करें निंदा : राजनाथ

इस दौरान लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इसी सदन के सदस्य राहुल गांधी ने लंदन में भारत का अपमान किया। मैं मांग करता हूं कि उनके बयानों की इस सदन के सभी सदस्यों द्वारा निंदा की जानी चाहिए और उन्हें सदन के सामने माफी मांगने के लिए कहा जाना चाहिए।

मुलायम परिवार को 'सुप्रीम' राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के परिवार को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। अब अखिलेश यादव और प्रतीक यादव की आय से अधिक संपत्ति मामले में आगे सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने मना किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव और प्रतीक यादव की आय से अधिक संपत्ति मामले में सोमवार को सुनवाई की। कोर्ट ने कहा 2013 में सीबीआई ने प्राथमिक जांच के बाद मामला बंद कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि अब सीबीआई से आगे रिपोर्ट मांगने की जरूरत नहीं है। इस संबंध में कोर्ट ने सोमवार को याचिकाकर्ता विश्वनाथ चतुर्वेदी की याचिका पर सुनवाई की। जिसमें विश्वनाथ चतुर्वेदी ने याचिका दायर कर कोर्ट को बताया था कि सीबीआई अब तक मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। जबकि मार्च 2007 में कोर्ट ने जांच का आदेश दिया था। बता दें कि ये दिवंगत नेता और सपा के संस्थापक मुलायम सिंह यादव और उनके बेटे अखिलेश यादव के खिलाफ बंद हो चुके आय से अधिक संपत्ति का मामला है। अब सुप्रीम कोर्ट से अखिलेश यादव और अन्य को बड़ी राहत मिली है. सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट की कॉपी की मांग वाली अर्जी को भी खारिज कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा याचिका पर अब सुनवाई का कोई आधार नहीं है। जांच बंद होने के छह साल बाद दाखिल याचिका पर सुनवाई का कोई औचित्य नहीं बनता है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में आगे सुनवाई से इंकार

नाटू-नाटू गाने को मिला ऑस्कर

» आरआरआर ने रचा इतिहास, भारत को दो अवॉर्ड

» पूरे देश ने दी बधाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरआरआर और द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने इतिहास रचते हुए, इस बार दो ऑस्कर अपने नाम किए हैं। हालांकि तीसरी फिल्म ऑल दैट ब्रीथ्स को सिर्फ नॉमिनेशन से ही संतोष करना पड़ा।

आरआरआर फिल्म के गाने नाटू-नाटू ने बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग का ऑस्कर जीता। इसके बाद तो पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। तो वहीं बेस्ट शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री कैटेगरी में भारतीय डॉक्यूमेंट्री द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने सबको पीछे छोड़ते हुए अवॉर्ड अपने नाम किया। ऑस्कर अवॉर्ड्स 2023 के दौरान चैडविक बोसमैन को श्रद्धांजलि दी गई। जूनियर एनटीआर और रामचरण ने ऑस्कर अवॉर्ड के साथ तस्वीर शेयर करते लिखा कि ऑस्कर अवॉर्ड घर आ रहा है। सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लगा हुआ है।

ऑस्कर अवॉर्ड्स 2023 के दौरान चैडविक बोसमैन को श्रद्धांजलि दी गई

अपनों के अवैध निर्माण पर भाजपा चलाए बुलडोजर : अखिलेश यादव

» बोले-गांधी के अहिंसा व सौहार्द के सिद्धांत को किया दरकिनार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा की बुलडोजर नीति पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि अवैध निर्माण व कॉलोनियों पर बुलडोजर चलाने से पहले भाजपा सरकार अपने सभी कार्यालयों, मंत्री, नेताओं व कार्यकर्ताओं के घरों, दुकानों व प्रतिष्ठानों के वैध नक्शे व अनुमति की जांच कर उन पर बुलडोजर चलाए।

अखिलेश यादव पिछले दिनों गुजरात में थे जहां उन्होंने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा था कि ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भाजपाई सरकारों ने गांधी जी के अहिंसा व सौहार्द के सिद्धांत की जगह हिंसा व नफरत के प्रतीक एनकाउंटर व बुलडोजर की मानसिकता को अपना लिया है। उधर अखिलेश ने दिल्ली के अलावा अन्य राज्यों में गतिविधियां बढ़ा दिए हैं। जनवरी में तेलंगाना में आयोजित रैली में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन और सीपीआई के डी राजा के साथ मंच साझा कर एकजुटता का संदेश दिया। इसके बाद वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री व डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के जन्मदिन समारोह पहुंचे। वह सोमवार को गुजरात में पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के यहां पहुंचे हैं। सूत्रों का कहना है कि वह वहां सपा कार्यकर्ताओं के साथ भी मंथन करेंगे। गुजरात में पार्टी एक विधायक से खाता खोल चुकी है। ऐसे में वहां के नेताओं से मिलकर भविष्य की रणनीति भी बनाएंगे। इसके बाद उनका मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी दौरा करने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। वहां गैर भाजपा और गैर कांग्रेस नेताओं के साथ उनकी बैठक हो सकती है।

राष्ट्रीय राजनीति में बढ़ेगी सपा की धमक

सियासी जानकारों का कहना है कि अखिलेश यादव एक तरफ अपनी पार्टी को राष्ट्रीय बनाने की योजना में हैं तो दूसरी तरफ पुरानी व नई पीढ़ी के नेताओं में अपनी स्वीकारता बढ़ा रहे हैं। सपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 17 से 19 मार्च तक कोलकाता में है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनके अच्छे संबंध हैं। वह विधानसभा चुनाव के दौरान सपा कार्यालय आ चुकी हैं। इसी तरह अखिलेश को जब भी मौका मिलता है, वह महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार से भी मिलने पहुंच जाते हैं।

महिलाओं की सुरक्षा के लिए करना होगा जन आंदोलन : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम व आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जब तक जन आंदोलन नहीं बनाएंगे तब तक कुछ नहीं होगा। महिलाओं की सुरक्षा प्रदान करने का सबसे बड़ा काम समाज का है। जब तक समाज का एक-एक व्यक्ति इसे जिम्मेदारी नहीं समझेगा तब तक महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए बसों में मार्शल लगाए थे। महिलाएं अब बिना किसी डर के बसों में सफर कर पाती हैं। पूरी दिल्ली में कोने-कोने में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह बातें दिल्ली महिला आयोग की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में कही। आयोग की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में इंडिया हैबिटेट सेंटर में पुरस्कार समारोह आयोजित किया। केजरीवाल ने कहा कि आयु एक संख्या मात्र है, ये आज सार्थक साबित हुआ है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो पर उन्होंने कहा कि वीडियो में महिलाओं के साथ बदतमीजी हो रही है और लोग चुपचाप देख रहे हैं।

दागी नेताओं के दाग धुलने वाली वाशिंग मशीन है बीजेपी : दिग्विजय

» कहा-भ्रष्टाचार करिये, भाजपा में शामिल हो जाइए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रीवा। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रीवा में भाजपा पर तीखा हमला भी बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा भ्रष्टाचार की वॉशिंग मशीन है। वहां जाते ही नेताओं के सारे दाग धुल जाते हैं। दिग्विजय सिंह विंध्य क्षेत्र में कांग्रेस की मजबूती के लिए संगठन की बैठकें ले रहे हैं। पहले चरण में उनका फोकस चार से ज्यादा बार हारी सीटों पर है। रीवा की मनगवां व त्योंथर सीट भी पिछले कई चुनावों से कांग्रेस की झोली में नहीं आ पाई है।

दिग्विजय ने दोनों विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के मंडलम-सेक्टर अध्यक्षों की बैठकों में हिस्सा लिया। दिग्विजय ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग जीत हासिल करने के लिए फर्जी मतदान करवाते हैं। बाहर के लोगों का नाम जुड़वाते हैं। वही लोग फिर भाजपा के पक्ष में मतदान करते हैं। इसे रोकने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर सक्रिय होने की जरूरत है।

कांग्रेस गरीबों की और भाजपा अमीरों की पार्टी है

दिग्विजय ने कहा कि कार्यकर्ताओं को घर से निकलकर सड़कों पर जनता की लड़ाई लड़ना होगी। नेताओं और कार्यकर्ताओं को आपसी मतभेद भुलाने होंगे। अब निर्णायक लड़ाई लड़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि देश-प्रदेश में ऐसी सरकारें हैं जिनकी जनविरोधी नीतियों ने आम जनता का जीना बेहाल कर रखा है। गरीब और गरीब, अमीर और अमीर होता जा रहा है। मैं हमेशा कहता हूं कि कांग्रेस गरीबों की पार्टी है और भाजपा अमीरों की पार्टी है। कांग्रेस ने अमीरों पर ज्यादा टैक्स लगाया और वह पैसा गरीबों के उत्थान में लगाया। भाजपा सरकारों ने गरीब व मध्यम वर्ग की जेब से पैसा निकालकर दो-चार उद्योगपतियों को दे दिया।

राज्य का दर्जा वापस हो, विस चुनाव जल्द हो

» विपक्ष की बैठक में अब्दुल्ला बोले- संसद में बताएंगे जम्मू-कश्मीर की असलियत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जल्द संसद में जम्मू कश्मीर की मौजूदा असलियत को रखेंगे। इसके लिए दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं से बात करके उनका समर्थन लिया जाएगा। जिसके बाद प्रधानमंत्री, गृहमंत्री से मिलने के लिए रणनीति बनाई जाएगी। राष्ट्रीय नेताओं को साथ लेकर चुनाव आयोग से भी मिला जाएगा।

यह बातें पीएजीडी के प्रमुख, नेकां अध्यक्ष सांसद डा. फारूक अब्दुल्ला ने बठिंडी जम्मू स्थित अपने आवास पर हुई सर्वदलीय बैठक में कही। साथ ही उन्होंने प्रदेश की मजबूती के साथ राज्य का दर्जा वापस देने के साथ जल्द विधानसभा चुनाव करवाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि दिल्ली में राष्ट्रीय नेताओं के सामने जम्मू-कश्मीर के जमीनी हालात को रखा जाए, जिसके बाद ही प्रदेश की बेहतरी के लिए कोई कदम उठाया जाएगा। चैंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री की बंद की काल जम्मू की आवाज बनकर उभरी है। बच्चों पर लाठीचार्ज किया जा रहा है। रात को कानून पास करके दूसरे दिन लागू किए जा रहे हैं। सालों से काम कर रहे नंबरदारों को बाहर निकाल दिया गया है। हम जम्मू कश्मीर के सभी ज्वलंत मुद्दों पर राष्ट्रीय नेताओं से मदद मांगेंगे। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री कह रहे हैं कि जम्मू-कश्मीर में हालात सामान्य हो गए हैं। यहां मई में जी20 की बैठक भी करवाई जा रही है तो फिर विधानसभा चुनाव क्यों नहीं करवाए जा रहे हैं। इस मुद्दे को चुनाव आयोग के समक्ष उठाया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी सिफारिश की है कि छह माह में चुनाव करवाए जाने चाहिए। राष्ट्रीय नेताओं से चर्चा के बाद जम्मू कश्मीर में राजनीतिक दलों के साथ फिर बैठकें की जाएंगी।

हिंदू और मुस्लिम के नाम पर लड़ाया जा रहा

डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वोट बैंक के लिए देश और जम्मू कश्मीर में हिंदू-मुस्लिम के नाम पर लड़ाने की कोशिश की जाती रही है। लेकिन जम्मू कश्मीर में आज भी भाईचारे और धर्मनिरपेक्षता कायम है। गांधी जी का रामराज का मकसद सभी धर्मों का सम्मान करना था। हमने अपने कार्यकाल के दौरान भ्रष्टाचार के कारण आवंटाय पोस्ट को हटा दिया था। राज्य कर पर राहत देने के साथ किसानों की वस्तुओं से सभी करों को हटा दिया था। कोई भी हिंदू या मुस्लिम खतरे में नहीं है, यह सिर्फ हवा बनाई जा रही है।

मोदी विपक्षी नेताओं के विरुद्ध दर्ज करा रहे हैं मुकदमे : संजय

» यूपी में आप ने घोषित किए नगर निकायों के प्रभारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप के प्रदेश प्रभारी व राज्य सभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी दलों के नेताओं के विरुद्ध जांच एजेंसियों के माध्यम से मुकदमे दर्ज करा रहे हैं। बच्चों की शिक्षा के लिए काम करने वाले मनीष सिसोदिया को तो प्रधानमंत्री जेल भेज देते हैं लेकिन आतंकवाद फैलाने वाले तालिबान को गेहूं भेजते हैं। यह भी कहा कि वह संसद के आगामी सत्र में केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और उद्योगपति अदाणी के घोटालों के मुद्दे उठाएंगे।

बता दें कि आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रदेश में होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव के लिए 763 में से 633 नगर निकायों के लिए प्रभारी घोषित कर दिए हैं। नगर पालिका परिषदों में 164, नगर पंचायतों में 435 प्रभारी और नगर निगमों में 34 प्रभारी घोषित किये गए हैं। संजय ने निकायों के इन प्रभारियों की घोषणा करने के साथ कहा कि उनकी पार्टी सभी निकायों में अध्यक्ष/महापौर के चुनाव मजबूती से लड़ेगी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

फिर निकला महिला आरक्षण विधेयक का जिन्न

- बीआरएस नेता कविता ने उठाया मुद्दा
- 27 साल से है ठंडे बस्ते में
- 2010 में यूपीए ने लोस में किया था पेश
- भाजपा ने नही पूरा किया वादा
- केंद्र पर दबाव बनाने की रणनीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एकबार फिर महिला आरक्षण का मुद्दा सियासी माहौल में छाने लगा है। अबकि बीआरएस की नेता व तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के. कविता ने यह मामला उछाल दिया है। इस मुद्दे को लेकर उन्होंने हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिन का भूख हड़ताल भी किया। सबसे बड़ी बात उनके साथ 17 दलों के नेता भी शामिल हुए। इस मुद्दे को उठाकर बीआरएस ने राजनैतिक दांव चल दिया। उसकी नजर 2024 लोक सभा चुनाव पर है। इसी बहाने वह सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाकर केंद्र की मोदी सरकार को पटखनी देने का सपना भी देख रही है। इसी के साथ आधी आबादी के वोटों को भी अपने पक्ष में करने की कोशिश में जुटीं हैं।

विपक्षी पार्टियों ने इस विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। विपक्षी दल का कहना है कि 13 मार्च से शुरू हो रहे संसद बजट सत्र के दूसरे चरण में ही महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पास किया जाए। जिससे कि महिलाओं को उनका अधिकार मिल सके। भारतीय संसद में प्रस्तुत किया गया महिला आरक्षण विधेयक वह विधेयक है, जिसके पारित होने से संसद में 33 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो जाएगी। हालांकि पिछले प्रयासों में यह विधेयक पारित नहीं हो सका।

लेकिन इस बार सभी दल इसके समर्थन में दिख रहे हैं। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर एक बार फिर पूरे देश में चर्चा शुरू हो गई है। केंद्र सरकार पर इस विधेयक के लिए दबाव बनाया जा रहा है। यह विधेयक संविधान के 85वें संशोधन का विधेयक है। इस विधेयक के पास होने के बाद लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत का आरक्षण मिलने का प्रावधान है।

1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार पहली बार लाई थी विधेयक

बता दें कि लोकसभा और सभी राज्य की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए इस विधेयक के जरिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करना का प्रावधान किया गया है। सबसे पहले साल 1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार ने इस महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पास किया था। हालांकि तब यह विधेयक पारित नहीं हो सका था। वहीं साल 2010 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के दौरान इस विधेयक को लोकसभा में मंजूरी के लिए भेजा गया था। जिसके बाद से यह विधेयक ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है। पिछले कुछ सालों में कई दलों ने इस विधेयक को पारित कराने का प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद भी ये बिल पिछले 27 साल से लंबित है।

1996 में संयुक्त मोर्चा सरकार ने इस महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में पास किया था।

मोदी ने भी किया था वादा

साल 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनकी सरकार में इस विधेयक को लाने का वादा किया था। वहीं बीजेपी के चुनावी घोषणा पत्र में महिला आरक्षण विधेयक का जिक्र थी। लेकिन मोदी सरकार बहुमत होने के बावजूद इस विधेयक को संसद में पारित कराने में विफल रही है। राजनीति में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए इस विधेयक का पास होना जरूरी है। अलग-अलग विचारधाराओं के कारण यह विधेयक लंबे समय के लिए अटका रह गया। हालांकि इस विधेयक को पास करवाने के लिए कई दलों ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिवसीय भूख हड़ताल की है।

संवैधानिक पद : सत्ता की हनक का साधन

- आठ-दस सालों में विवाद की जद में आए ऐसे पद
- सीबीआई, चुनाव आयोग, ईडी या आयकर का होता है इस्तेमाल
- अब राज्यसभा सभापति पर लगे आरोप
- निजी स्टाफ को स्टैंडिंग कमिटियों से जोड़े जाने पर मचा हल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों का विवाद में रहना कोई नई बात नहीं है। लेकिन पिछले आठ-दस सालों में इन लोगों का विवाद में आना जैसे आमबात हो गई। सीबीआई, चुनाव आयोग, ईडी या आयकर विभाग इन सबका विवाद से जैसे यारना हो गया है। अभी हाल में विवाद की जद में राज्यसभा के सभापति आ गए हैं। हालांकि देखने में आया है कि सत्तारुढ़ दलों के आगे इन संवैधानिक पदों की मजबूरी भी होती है जैसा उनके आका कहते हैं वैसा ही वो करते हैं। सबसे ज्यादा इन एजेंसियों के शिकार विपक्ष के नेता बनते हैं। यहीं कारण है विवादों की वजह से सियासी संग्राम मच जाता है।

गौरतलब हो कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के निजी स्टाफ को संसद की 12 स्टैंडिंग कमिटियों और 8 विभागीय स्टैंडिंग कमिटियों से जोड़े जाने को लेकर विपक्ष ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया दर्ज कराई थी। यह अनावश्यक विवाद ऐसे समय उभर आया है जब देश में लोकतांत्रिक परंपराओं और मूल्यों को कथित तौर पर कमजोर किए जाने को लेकर पहले से ही बहस चल रही है। ताजा फैसले की जानकारी देते हुए राज्यसभा सचिवालय की ओर से कहा गया कि संबंधित अफसरों को तत्काल प्रभाव से और नया निर्देश जारी होने तक के लिए इन कमिटियों से जोड़ा गया है। निर्देश के मुताबिक ये अफसर उन कमिटियों के कामकाज में सहायता देंगे। जाहिर है, इस कामकाज में वे बैठकें भी शामिल हैं, जिनकी प्रकृति गोपनीय मानी जाती है। स्वाभाविक ही विपक्षी दल इस पर एतराज कर रहे हैं। कई विशेषज्ञ भी इस कदम को संसद की मान्य परंपराओं और नियमों के खिलाफ बता रहे हैं। ऐसा पहली बार ही हुआ है कि राज्यसभा सभापति के स्टाफ मेंबर्स को इन कमिटियों से जोड़ा गया है। ये जिम्मेदारियां लोकसभा और राज्यसभा सचिवालय के अफसरों को ही दी जाती रही हैं।

जयराम रमेश ने कहा था अंपायर बने सभापति

नई दिल्ली। कांग्रेस ने राहुल गांधी की आलोचना को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पर हमला बोला। कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि राज्यसभा के सभापति को अम्पायर की भूमिका में होना चाहिए, वह किसी सत्तारूढ़ व्यवस्था का चीयरलीडर नहीं हो सकते हैं। कांग्रेस ने यह प्रतिक्रिया तब दी जब धनखड़ ने राहुल गांधी के संसद में विपक्ष का माइक बंद किए जाने के बयान की कड़ी आलोचना की। बता दें कि धनखड़ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की परोक्ष रूप से आलोचना करते हुए कहा कि विदेशी धरती से यह कहना मिथ्या प्रचार और देश का अपमान है कि भारतीय संसद में माइक बंद कर दिया जाता है। जयराम रमेश के अनुसार, राहुल गांधी के बारे में उपराष्ट्रपति का बयान हैरान करने वाला है तथा उन्होंने सरकार का बचाव किया जो निराशाजनक है। उन्होंने कहा राहुल गांधी पर उपराष्ट्रपति का बयान चौंकाने वाला है, क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति का कार्यालय संविधान से बंधा होता है और वह राज्यसभा के सभापति के रूप में अपनी अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभाते हैं। लेकिन यहां कई कार्यालय ऐसे हैं जिन्हें अपने दुराग्रह छोड़ने चाहिए।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने दिया स्पष्टीकरण

हालांकि उपराष्ट्रपति कार्यालय की ओर से तो स्पष्टीकरण दिया ही गया है। खुद धनखड़ ने भी एक कार्यक्रम के दौरान सार्वजनिक तौर पर इस मसले का जिक्र करते हुए बताया कि इसके पीछे कोई गलत इरादा नहीं है। मकसद सिर्फ यह सुनिश्चित करना था कि संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी न हो। तैनाती भी ऐसे अफसरों की ही की गई है जो रिसर्च और डिवेलपमेंट से जुड़े कार्यों में कुशल माने जाते रहे हैं। लेकिन सवाल इरादों से ज्यादा तरीके को लेकर है। अगर इन संसदीय समितियों में मानव संसाधन की कमी महसूस हो रही थी तो समितियों की तरफ से सभापति को अनुरोध भेजा जाना चाहिए था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश सहित अलग-अलग समितियों से जुड़े विपक्ष के कई नेताओं ने कहा कि समितियों में मानव संसाधन की कमी नहीं थी। फिर भी अगर उपराष्ट्रपति को अपने स्तर पर ऐसी कोई सूचना मिली थी या जरूरत महसूस हो रही थी तो संसदीय परंपराओं से हटकर कदम उठाने से पहले विपक्ष से बातचीत करके उसे विश्वास में लेना चाहिए था। आखिर संसदीय लोकतंत्र की गाड़ी तो सत्ता पक्ष और विपक्ष के दोनों पहियों के सहारे ही आगे बढ़ती है। इस कदम ने दोनों पक्षों के बीच पहले से ही मौजूद तनाव और अविश्वास को और बढ़ा दिया है। इससे आसानी से बचा जा सकता था। विपक्ष के तेवर को देखते हुए ऐसा लगता नहीं है कि वह इस फैसले को स्वीकार करेगा। यानी सोमवार से संसद में इस मसले पर भी विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तकरार सामने आ सकती है। देखना होगा कि इसमें सुलह का कौन सा फॉर्म्युला कैसे और कब तक निकलता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सरहद पर सतर्कता रखना जरूरी

1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुई एक-एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं।

अभी हाल में अमेरिका की खूफिया एजेंसी ने कहा है कि भारत, चीन व पाकिस्तान पर हमला कर सकता है, हालांकि एजेंसी ने ये भी कहा है ये हमला दोनों देशों के उकसावे पर होगा। रिपोर्ट में कितनी सच्चाई है यह जांच का विषय हो सकता है। परंतु सरहदों पर किसी भी प्रकार की अंशाति देश के आंतरिक हिस्से के लिए लाभप्रद नहीं है। भारत हमेशा से शांति प्रिय देश रहा है। हमने कभी भी किसी देश पर हमले का पहल नहीं किया है। पर वर्तमान में दुनिया का कोई भी देश अपनी सीमा में दूसरे का दखल पसंद नही करेगा। पहले तो यदि कोई देश ऐसी गल्ती कर भी देता है तो बात-चीत से ये मामले का खत्म करने की कोशिश की जाती है उसके बाद भी बात नहीं बनी तो फिर सैन्य कार्रवाई मजबूरी हो जाती है। अमेरिका की खुफिया एजेंसी की खतरे का आकलन करने वाली रिपोर्ट में भारत को चीन और पाकिस्तान से खतरे की आशंका जताई गई है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर पाकिस्तान उकसाता है तो पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत करारा जवाब देगा।

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बाहरी खतरों का आकलन करने वाली अपनी सालाना रिपोर्ट में जिस तरह से चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जाहिर की है, वह सभी पक्षों के ध्यान देने लायक है। अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अगर भारत की मौजूदा सरकार को लेकर यह राय बनी है तो इसके पीछे संभवत: देश की सुरक्षा से जुड़े मसलों पर सरकार का ज्यादा चौकस रवैया ही है। इस लिहाज से उक्त राय को एक पॉजिटिव डिवेलपमेंट के ही रूप में लेना ठीक रहेगा। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात करें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण रेखा पर सीजफायर जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है। लेकिन बावजूद इसके, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है। शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरूप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मान आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मसले को उछालने से बाज नहीं आता। इसके अलावा भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वाले संगठनों और उनसे जुड़े लोगों पर लगाम कसने में पाकिस्तान सरकार की नाकामी भारत के साथ रिश्ते सुधारने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है। जहां तक चीन का सवाल है तो सीमा पर विवाद बने रहते हुए भी भारत के साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सिस्टम का इम्तिहान में फेल होना

ऋषभ मिश्रा

आज देश में कोई भी परीक्षा हो चाहे वो बोर्ड की परीक्षाएं हों या फिर कोई भी प्रतियोगी परीक्षा हो इसमें एक बात तय होती है और वो है 'पेपर का लीक होना'। इन परीक्षाओं की तारीख भले ही बाद में आए, सोशल मीडिया पर लीक पेपर की कॉपियां पहले आ जाती हैं और ये स्थिति किसी एक या दो प्रदेशों की नहीं है बल्कि भारत के अधिकांश राज्यों का यही हाल है। अगर आप गूगल पर पेपर लीक लिखकर सर्च करेंगे तो आपको इससे जुड़ी इतनी सारी खबरें मिल जाएंगी, जिन्हें गिनना भी मुश्किल हो जाएगा। नि:संदेह, सिस्टम परीक्षा कराने के इम्तिहान में खुद बार-बार फेल हो रहा है।

कुछ ऐसा ही महाराष्ट्र के बुलढ़ाना में ये सिस्टम फिर से फेल हो गया। बुलढ़ाना में बारहवीं कक्षा का गणित का पेपर परीक्षा से पहले ही लीक हो गया। वहां पर बोर्ड की परीक्षाएं चल रही थीं और गणित के पेपर के आधे घंटे पहले ही यानी साढ़े दस बजे पेपर की तस्वीर वायरल हो गई। जिसमें पेपर के जो पेज लीक हैं उनका एक बड़ा हिस्सा उस पेपर में हूबहू मिल रहा है जो छात्रों को बांटे गए थे। मजे की बात तो ये है कि प्रशासन दबी जुबान से पेपर लीक होने की बात तो मान रहा है और जांच कराने की बात भी कर रहा है लेकिन सरकार की नजर में कोई पेपर लीक ही नहीं हुआ है। जिसके कारण अभी तक इस परीक्षा को रद्द नहीं किया गया है। यहां सवाल ये उठता है कि फिर ये पेपर लीक किसने कराया? क्या ये किसी नकल माफिया का काम है या फिर किसी की शरारत। अब इन तमाम मुद्दों की जांच होगी लेकिन पेपर लीक या गड़बड़ी का ये कोई नया मामला नहीं है। 21 फरवरी को बोर्ड परीक्षा के पहले दिन मराठवाड़ा के परभमी में बारहवीं कक्षा के अंग्रेजी विषय का पेपर लीक हो गया था। जिसके बाद छह अध्यापकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। यानी सिस्टम परीक्षा को 'लीकप्रुफ' बनाने का दावा तो करता है लेकिन उसके इस दावे पर न तो छात्रों को यकीन है और न ही सिस्टम को क्योंकि ज्यादातर मामलों में पेपर लीक करने वाले खुद इसी सिस्टम के अंदर 'स्लीपर सेल' की तरह मौजूद रहते हैं।

नकल माफिया की कठपुतली बन चुके ये स्लीपर सेल जानते हैं कि देश में पेपर लीक के मामले पर कानूनी कार्यवाही से ज्यादा सियासत होती है। बुलढ़ाना के पेपर लीक मामले में भी यही हुआ है। हालांकि सियासत को अलग रखकर देखें तो एक सच्चाई ये भी है कि ये पेपर लीक परीक्षाओं की हकीकत बन चुके हैं। सरकारें आती

भी हैं और चली भी जाती हैं लेकिन ये नकल माफिया स्थायी हैं और उनकी सत्ता कभी नहीं जाती। इसलिए देश के करोड़ों छात्र जब परीक्षा देने जाते हैं तो उनके मन में परीक्षा से ज्यादा डर इस बात का रहता है कि कहीं पेपर लीक न हो जाए और उनकी सारी मेहनत पर पानी न फिर जाए। इसके साथ ही आज हमारे देश के हर परिवार में कोई न कोई ऐसा जरूर होता है जो सरकारी नौकरी की परीक्षा के लिए वर्षों तक तैयारी कर रहा होता है। लेकिन एक पेपर लीक होने से इन छात्रों की सारी मेहनत और ईमानदारी पर पानी फिर जाता है और ये छात्र कई वर्ष पीछे चले जाते हैं। कुछ ऐसा ही उत्तराखंड के देहरादून में इस साल देखने को मिला जहां पिछले दो वर्षों में सरकारी भर्तियों को लेकर जितनी भी परीक्षाएं हुई उनमें पेपर लीक और धांधली के गंभीर आरोप लगे। कुछ परीक्षाओं के दौरान तो ऐसा भी हुआ कि जिस एक सरकारी नौकरी के लिए औसतन 175 लोग आवेदन कर रहे हैं उन्हें परीक्षा देने के बाद ये पता चला कि असल में उस परीक्षा का पेपर पहले से ही लीक हो गया था। इसलिए सरकार को इस परीक्षा के नतीजों को रद्द करना पड़ा। लेकिन परिणाम रद्द करना इसका कोई हल नहीं है क्योंकि परिणाम रद्द करने से ये छात्र कई वर्ष पीछे चले गए हैं। उत्तराखंड में सरकारी भर्तियों के लिए 'उत्तराखंड सबोर्डिनेट सर्विस सिलेक्शन कमीशन आयोग' है। इस आयोग में राज्य के 22 सरकारी विभागों में 'ग्रुप सी' के कुल 916 पदों पर भर्तियां निकली थीं। ग्रुप सी का मतलब ऐसी सरकारी नौकरियों से है जिनमें सहायक का काम करना होता है। इस मामले में जिन 916 पदों के लिए ये भर्ती हो रही थी वो थे 'सहायक समीक्षा अधिकारी', 'सहायक चकबंदी अधिकारी' और 'ग्राम विकास अधिकारी'। इन पदों की सरकारी भर्तियों के लिए लगभग ढाई लाख छात्रों ने आवेदन किया और दिसंबर, 2021 में जब इसके लिए परीक्षा हुई तब इसमें कुल एक लाख साठ हजार उम्मीदवार परीक्षा देने के लिए बैठे। इस तरह से एक सरकारी नौकरी के लिए 175 उम्मीदवार रेस में थे।

बड़ी बात तो ये है कि उस समय तय नियमों के मुताबिक परीक्षा भी हुई और बाद में रिजल्ट आने के बाद आगे की भर्ती प्रक्रिया भी शुरू हुई। बाद में शिकायतें मिलने पर सरकार ने इस भर्ती परीक्षा की जांच कराई तब ये पता चला कि इन परीक्षाओं का प्रश्न पत्र तो पहले से ही लीक हो गया और बाजार में बिक रहा था।

वैज्ञानिक शोध में भी कम नहीं भारत की बेटियां

निर्देश निधि

जब भी समाज में महिलाओं के योगदान की बात करते हैं तो अक्सर उद्यमियों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कलाकारों या सिनेमा से जुड़ी स्त्रियों का ही जिक्र होता है। परंतु क्या हम अपनी महिला वैज्ञानिकों के विषय में जानते हैं? दरअसल हम भूल जाते हैं भारत में विज्ञान के क्षेत्र में अद्भुत योगदान देने वाली महिला वैज्ञानिकों को। महिला दिवस पर अपनी महिला वैज्ञानिकों के योगदान को याद करना प्रासंगिक होगा। विडंबना है कि आज भी हमारे देश ही नहीं, संसार भर में महिला वैज्ञानिक पुरुषों के अनुपात में बहुत कम हैं। पूरी दुनिया में मात्र अठाईस से तीस प्रतिशत ही वैज्ञानिक शोधों में महिलाएं दिखाई देती हैं। भारत में तो आंकड़ा मात्र 12-13 प्रतिशत ही है। हालांकि दसवीं-बारहवीं के परीक्षा परिणाम आते हैं तो विज्ञान हो या कला, हर बार छात्राएं, छात्रों से बाजी मार लेती हैं। लेकिन बड़ी कक्षाओं तक आते-आते विज्ञान तो विज्ञान, लड़कियां शिक्षा में ही पिछड़ जाती हैं।

यूं भी जब लैंगिक अनुपात ही ठीक-ठाक स्थिति में नहीं, तो शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में समानता की बात बेमाने है। असल में, समाज में महिला वैज्ञानिकों को रोल मॉडल के रूप में भी प्रस्तुत नहीं किया जाता। पितृसत्तात्मक समाज भी महिलाओं के मस्तिष्क में वैज्ञानिक सोच उभरने न देने का दोषी है। यदि किसी परिवार में दो में से एक बच्चे की शिक्षा का खर्च उठाने की क्षमता होती है तो वह पुत्र को ही शिक्षित करता है। पुत्री को विज्ञान शिक्षा न देकर प्राइवेट रूप से शिक्षा दिला देता है। यह भी समझ लिया जाता है कि लड़की के बस का विज्ञान नहीं। वहीं महिला वैज्ञानिकों के साथ भी कम भेदभाव नहीं होता। 1930 में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले भारतीय वैज्ञानिक सीवी रमन को सब जानते हैं परंतु उन्हीं के साथ काम कर चुकी वैज्ञानिक अन्ना मणि को मुट्ठी भर लोग भी शायद ही जानते हों। दरअसल, वैज्ञानिक शोध अधिक समय और दायित्व की मांग करते हैं। कोई स्त्री वैज्ञानिक बनने की राह पर चल भी पड़ी हो तो भी, जब उस पर पारिवारिक दायित्व आता है तो घर वाले उसका सहयोग नहीं करते और उसे अपना शोध त्यागना पड़ता है।

सरकार द्वारा कई उपाय किए गये ताकि हमारे देश में महिला वैज्ञानिकों की संख्या में वृद्धि हो सके। जैसे उन संस्थाओं को अच्छी रैंकिंग देना जिनमें महिला वैज्ञानिक अधिक हों। सरकार की ओर से महिला वैज्ञानिकों को आर्थिक मदद और फेलोशिप भी दी जा रही है। हर बरस 'महिला विज्ञान कांग्रेस' का आयोजन किया जाता है। विशिष्ट महिला वैज्ञानिकों के नाम पर सरकार पीठों की स्थापना कर रही है। इन पीठों के लिए विभिन्न क्षेत्रों से संस्थाओं को चुना गया है। 1932 में जन्मी डॉ. अर्चना शर्मा एक जानी - मानी साइटोजेनेटिक्स या कोशिकानुवांशिकी की शोधकर्ता थीं। उन्होंने क्रोमोजोम के अध्ययन की नई तकनीक का विकास किया था। वे पद्मभूषण से सम्मानित हुईं। जानकी अम्माल अग्रणी बॉटेनिस्ट थीं। गन्ने की नई मीठी प्रजाति के लिए उन्हें ही श्रेय जाता है। क्रास ब्रीडिंग के शोध के लिए उन्हें संसार भर में मान्यता मिली। साल 1861 में जन्मी डॉ. कादम्बिनी गांगुली चिकित्सक बनने वाली पहली दो महिलाओं में से एक थीं।

ऐसे ही 1941 में जन्मी दर्शन रंगनाथन ऑर्गेनिक कैमिस्ट थीं। उन्हें प्राकृतिक बायोकैमिकल प्रक्रियाओं को करने के लिए जाना जाता है। वर्ष 1917 में जन्मी डॉ. आसिमा चटर्जी ने ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री और फाइटोमेडिसिन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किया। मिर्गी के लिए दवाई और मलेरिया की रोकथाम के लिए औषधियां बनाई। अन्ना मणि एक मौसम विज्ञानी थीं, उन्होंने सौर विकिरण, वायु ऊर्जा और ओजोन पर उल्लेखनीय कार्य किया। 1922 में जन्मी डॉ. राजेश्वरी चटर्जी पहली महिला इंजीनियर थीं। उन्हें माइक्रोवेव और एंटिना इंजीनियरिंग के लिए जाना जाता है। समकालीन युग में भी अनेक महिला वैज्ञानिक हैं जिन्होंने भारतीय विज्ञान की दिशा और दशा दोनों को बदल कर रख दिया। इनमें बतौर राकेट वूमन जानी जाने वाली रितु करिधल, चन्द्रयान मिशन 2 की निदेशक मुथैया वनिता, मंगल मिशन में मुख्य भूमिका निभाने वाली,जी सैट 10 और 12 की निदेशक रहने वाली अनुराधा टीके, मंगलयान की सफलता गढ़ने वाली मीनल सम्पत, मिसाइल महिला और अग्निपुत्री के नाम से विख्यात टेसी थॉमस। साल 2022 में गगनयान लांच करने जा रही लतांबिका एआर, एडवांस लांचर टेक्नोलोजी की विशेषज्ञ हैं।

किरण मजूमदार शॉ जिन्होंने जैवप्रौद्यौगिकी में विशिष्ट योगदान किया, कैंसर और मधुमेह पर कई शोध किए। इंदिरा हिंदुजा को कौन भुला सकता है, जिन्होंने भारत में पहली बार टेस्ट ट्यूब बेबी सम्भव करके न जाने कितने संतानहीनों को संतान सौंपी। अदिति पंत एक समुद्र विज्ञानी रहीं उनके शोध के कारण ही अंटार्कटिका पर दक्षिण गंगोत्री स्टेशन की स्थापना हो सकी। यही नहीं, कल्पना चावला, भारतीय मूल की सुनीता विलियम्स आदि हमारी कई भारतीय महिला वैज्ञानिकों ने नासा तक पहुंच बनाई है। महिलाओं के प्रति यह धारणा कि वे विज्ञान या गणित में पिछड़ी हुई होती हैं, जानबूझकर फैलाया हुआ भ्रम है। समान अवसर पाकर भारतीय महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं। वे आज व्यापार, राजनीति,शिक्षा, साहित्य, खेल, चिकित्सा, विज्ञान आदि से लेकर देश की रक्षा पंक्तियों तक में उपस्थित हैं। परंतु स्त्रियों के लिए चुनौतियां अभी और भी हैं।

पैरेंटिंग स्टाइल का बच्चों पर पड़ता है बड़ा असर

आप किस तरह से अपने बच्चे की परवरिश कर रहे हैं, इसका उसके जीवन और वयस्क होने पर उसके व्यवहार पर काफी असर पड़ता है। हर पैरेंट्स का अपने बच्चे को पालने का अलग तरीका होता है। ज्यादातर पैरेंट्स पैरेंटिंग स्टाइल को मिक्स कर के अपने बच्चे की परवरिश करते हैं लेकिन कुछ मां-बाप एक ही तरह के पैरेंटिंग स्टाइल को फॉलो करना पसंद करते हैं। पैरेंटिंग का हर एक स्टाइल बच्चों पर अलग तरह से असर करता है। आप जिस तरह से अपने बच्चे से बात करते हैं, उसे बड़ा करते हैं, आपका कल्चर और वैल्यू, बच्चे को काफी प्रभावित करता है। आप पूरे ध्यान से बच्चों की बात सुनने की कोशिश करें। बच्चों को अलग-अलग चीजों पर जाने के लिए प्रोत्साहित करें जो उनकी रुचि रखते हैं। बच्चों को बताएं कि क्या ठीक है और क्या ठीक नहीं है। जिस तरह से आप अपने बच्चों से व्यवहार करने की उम्मीद करते हैं वैसा ही व्यवहार आप खुद भी करें और लोगों के साथ वैसा ही व्यवहार करें जैसा आप चाहते हैं कि आपके बच्चे दूसरों के साथ व्यवहार करें।

कौन सी स्टाइल है बेस्ट

आपके पैरेंटिंग स्टाइल का असर बच्चे के आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान पर पड़ सकता है। अपनी पैरेंटिंग को प्रभावी बनाने का तरीका है कि आपके और आपके बच्चे के बीच सम्मानपूर्वक रिश्ता हो ताकि मुश्किलों को शांति से, ईमानदारी से सुलझाया जा सके। पैरेंट्स को काफी जिम्मेदार होकर काम करना चाहिए। उन्हें बच्चे की भी बात सुननी चाहिए और अपनी सही बात भी मनवानी आनी चाहिए।

कई प्रकार की होती है पैरेंटिंग स्टाइल

4 प्रमुख तरह के पैरेंटिंग स्टाइल होते हैं - ऑथोरिटेरियन, ऑथोरिटेटिव, परमिसिव और अनइंवॉल्व्ड पैरेंटिंग। ऑथोरिटेरियन पैरेंटिंग में मां-बाप काफी अनुशासन में बच्चों की परवरिश करते हैं, ऑथोरिटेटिव पैरेंटिंग में पैरेंट्स अपने बच्चों से कुछ उम्मीदें रखते हैं लेकिन वो अपने बच्चे की बात भी सुनते हैं और उसकी परवरिश को लेकर फोकस होते हैं। परमिसिव पैरेंटिंग में पैरेंट्स को नो कहने में दिक्कत आती है और वो बच्चों के लिए कुछ बाउंड्री सेट करने की कोशिश करते हैं। ये अपने बच्चों को एक समान मानते हैं। वहीं अनइंवॉल्व्ड पैरेंटिंग में पैरेंट्स अपने बच्चे से इमोशनल कनेक्ट नहीं होते हैं और ना ही उससे ज्यादा बात करते हैं।

बच्चों को कैसे करें सपोर्ट

पैरेंटिंग के ऑथोरिटेटिव स्टाइल को फॉलो करने के लिए बच्चों के साथ अलग-अलग समय बिताएं और चीजों को उनके नजरिए से देखने की कोशिश करें। उन चीजों में दिलचस्पी लें जिनमें उनकी दिलचस्पी हो। जानें कि उनके लिए क्या हो रहा है, उनकी गतिविधियों या खेलों में जाएं और उनके दोस्तों को जानें। इसके अलावा उन्हें बताएं कि आप उनसे प्यार करते हैं और उन्हें गले लगाएं। इसके अलावा उनकी अत्यधिक चिंता करना बंद करें और रास्ते की हर रूकावट दूर करके उन्हें पंगु न बनायें। यह बच्चों के विकास में बाधा बनता है। परीक्षा का समय बच्चों को मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। यह समय उनके जीवन में आने वाली कड़ी और बड़ी परीक्षाओं का सामना करने के लायक विश्वास पैदा करता है। अतः उन्हें अपनी मुश्किलों से खुद बाहर निकलना सिखायें।

हंसना मना है

एक एयरलाइंस ने एक अनोखी योजना शुरू की...आप टिकट खरीदें, साथ में आपकी पत्नी का टिकट मुफ्त! इस योजना में भारी सफलता मिलने के बाद कंपनी ने सारी पत्नियों को फोन करके पूछा- यात्रा कैसी रही...? सभी का एक जैसा ही जवाब था- कौन सी यात्रा...!!!

मरने से पहले पत्नी अपने पति से बोली-मैं जा रही हूं, अब हम स्वर्ग में मिलेंगे...! बस उसी दिन से पति दारू पीने लगा, कुल मिलाकर दुनिया के सारे बुरे काम करने लगा... कुछ भी हो जाए, स्वर्ग नहीं जाना है... मतलब नहीं जाना है...!!!

पत्नी-आधी रात हो गई, कहां हो आप...? आपकी आवाज से ऐसा लग रहा है कि आप टेंशन में हैं, क्या हुआ...? पति - अरे पगली मैं अपनी कार में हूं, लेकिन एक गड़बड़ हो गई है, कार का स्टीयरिंग, क्लच, ब्रेक और एक्सीलेरेटर सब चोरी हो गया है, क्या करूं, कुछ समझ नहीं आ रहा...! पत्नी - तुम फिर पिए हो क्या...? पति - थोड़ी सी, मगर उसका कोई टेंशन नहीं है, मैं ठीक हूं, गाड़ी का क्या करूं, ये बताओ...? पत्नी - लग ही रहा था कि तुम कुछ न कुछ गड़बड़ करोगे, इसीलिए कह रही थी कि मैं साथ में चलती हूं, लेकिन ले जाओ तब ना...! अब एक काम करो... बाईं सीट से उठकर दाईं सीट पर बैठो, सब मिल जाएगा...!!!

कहानी | जैसे को तैसा

सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास कुछ ज्यादा पैसे या कोई कीमती वस्तु नहीं थी। सिर्फ उसके पास एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। उसने साहूकार से कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूं। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहां है। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। साहूकार को अक्ल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी।

वृषभ

धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

मिथुन

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े।

कर्क

प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

सिंह

भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी।

कन्या

शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा।

तुला

शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दुःखद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे।

वृश्चिक

पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

धनु

किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

मकर

कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

मीन

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

मरूंगी तो सबको फंसा के मरूंगी : पायल घोष

पायल घोष ने खुल्लम खुल्ला सुसाइड का ऐलान कर दिया है। पायल घोष ने अपनी इंस्टा पोस्ट पर अपना सुसाइड नोट शेयर किया जिसे देखकर सभी दंग रह गए। दरअसल पायल घोष ने जो लिखा है उसे देखकर सभी चौक गए वो लिखती हैं कि पुलिस उनके घर पहुंची है ऐसे में अगर वो सुसाइड करती हैं तो तो इसके जिम्मेदार वो सब लोग होंगे। बता दें कि पायल घोष ने मीटू के दौरान अनुराग कश्यप पर गंभीर आरोप लगाया फिर साजिद खान को लपेटे में लिया और बाद में सलमान खान और बिग बॉस को भी नहीं छोड़ा। कई कॉन्ट्रोवर्सीज का हिस्सा रहीं पायल घोष पोस्ट में लिखती हैं कि ओशिवारा पुलिस मेरे घर आई थी अगर मुझे कुछ हो गया तो कोई नहीं बचेगा। मेरे साइकाइट्रिस्ट से पूछिए कि मैं किन चीजों से होकर गुजर रही हूं। मैं सुशांत नहीं पायल घोष हूं... मरूंगी तो सबको फंसा के मरूंगी। पायल घोष ने पोस्ट में अपने हाथों से लिखा ये खास नोट भी शेयर किया है। वो साफ तौर पर लिखती हैं कि अगर सुसाइड करती हूं या हार्ट अटैक आता है तो वो लोग जिम्मेदार होंगे। दूसरी पोस्ट में पायल ने बताया कि 2020 में जब अनुराग कश्यप को लेकर खुलकर बोला तो मेरे एंग्जायटी अटैक जादू की तरह गायब हो गए। मैं अपनी नॉर्मल लाइफ जीने लगी। पायल ने साफतौर पर लिखा कि उनकी इस हालत के जो भी जिम्मेदार हैं वो किसी को भी नहीं छोड़ेंगी। 2020 में पायल घोष ने खुलकर ये इजहार किया था कि अनुराग कश्यप ने साल 2013 में उनका शोषण किया था। पायल घोष अनुराग कश्यप के खिलाफ एक्शन को लेकर कई बार ट्वीट कर चुकी हैं लेकिन अभी तक किसी भी तरह का एक्शन नहीं लिया गया।

हाईएस्ट पेड एक्टर बने अल्लू अर्जुन

बॉलीवुड | मसाला

प्रभास को पीछे छोड़ अल्लू अर्जुन साउथ सिनेमा के हाईएस्ट पेड एक्टर बन गए हैं। संदीप रेड्डी वंगा और भूषण कुमार की फिल्म के साथ हिंदी डेब्यू करने जा रहे अल्लू अर्जुन ने 125 करोड़ रुपए की फीस चार्ज की है। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने फिल्म इंडस्ट्री में एक नए ट्रेंड की शुरुआत कर दी है।

फिलहाल, अल्लू अर्जुन पुष्पा-2 की शूटिंग में बिजी हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' की शूटिंग पूरी होने के बाद अल्लू अर्जुन स्टारर संदीप रेड्डी वंगा और टी-सीरीज की फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के लिए जूनियर एनटीआर और राम चरण ने 75 करोड़ की फीस चार्ज की थी। 'आरआरआर' अब ऑस्कर्स तक पहुंच गई है। अल्लू अर्जुन की फीस में इजाफा करने के बाद जूनियर एनटीआर और राम चरण भी अपना चार्ज बढ़ा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक टी-सीरीज और वंगा भद्रकाली प्रोडक्शन में बन रही अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म का टाइटल 'भद्रकाली' हो सकता है। इस फिल्म में स्पिरिचुअल कनेक्शन होने की उम्मीद है। बड़े स्केल पर बनाई जा रही इस फिल्म में इंसाफ के इमोशन को फिल्माया गया है। साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रहे टी-सीरीज के भूषण कुमार बोले-हम सिर्फ हिंदी फिल्मों में काम करने के दायरे को तोड़ने जा रहे हैं। अब हम साउथ और रीजनल सिनेमा में शुरुआत कर रहे हैं। इसके अलावा टी-सीरीज और भद्रकाली प्रोडक्शन 'एनिमल' फिल्म पर भी काम कर रहे हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर, अनिल कपूर और रश्मिका मंदाना नजर आएंगे।

125 करोड़ होगी एक फिल्म की फीस

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्में

2024 में 'पुष्पा: द रूल' और 'आइकॉन' रिलीज होगी। 2021 में रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा: द राइज' 2021 में बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। फिल्म ने कुल 373 करोड़ की कमाई की थी।

सिंटाडेल की फीस से खुश हैं प्रियंका चोपड़ा

मार्वल स्टूडियोज की फिल्मों के निर्देशन से दुनिया भर में नाम कमाने वाले रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज 'सिटाडेल' इन दिनों चर्चाओं में है। इसमें देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा शीर्ष भूमिका में दिखाई देंगी। हाल ही में इसका ट्रेलर सामने आया, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। प्रियंका वेब सीरीज में जबरदस्त एक्शन करती दिखेंगी।

अपनी इस वेब सीरीज को लेकर प्रियंका काफी उत्सुक हैं। इस बीच प्रियंका ने कहा कि उनके 22 साल के करियर में पहली बार उन्हें लीड एक्टर के बराबर फीस मिली है। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने इस बात का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हो सकता है मैं ऐसा बोलने के बाद मुश्किल में पड़ जाऊंलेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि मेरी कही हुई बात को कौन देख रहा है।

प्रियंका चोपड़ा अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि मैं एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में 22 सालों से काम कर रही हूं। इस दौरान मैंने करीब 70 से ज्यादा फीचर और दो टीवी शो किए। लेकिन सिटाडेल में पहली बार ऐसा हुआ कि मुझे वेतन में समानता मिली। ऐसा मेरे करियर में पहली बार हुआ है। मैं भी बराबर काम करती थी, लेकिन हमेशा ऐसा हुआ कि मुझे कम वेतन दिया गया। अमेजन स्टूडियो ने कहा कि आप यह सब डिजर्व करती हैं। आप दोनों को-लीड्स है, अगर ऐसे में आपको कम फीस दी जाए तो यह अनफेयर हो जाएगा।

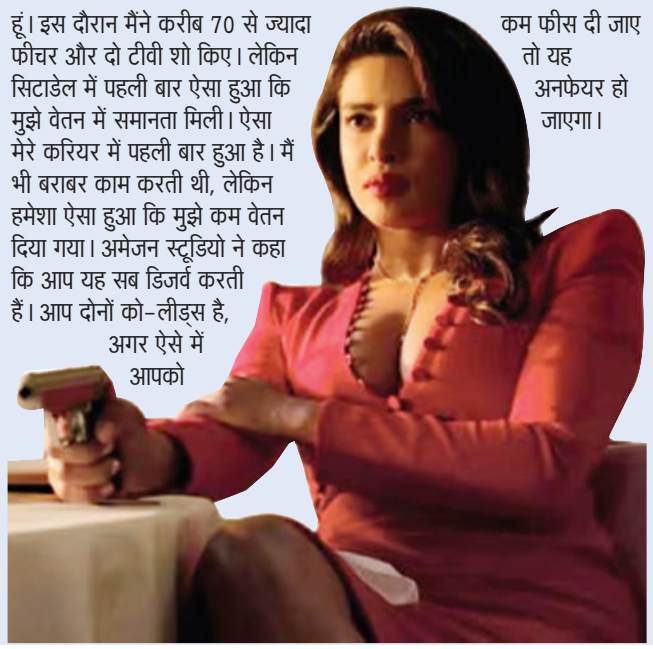

अजब-गजब | बिना अनुमति के चलाई थी 106 किमी. कार

कौन थी कार चलाने वाली दुनिया की पहली महिला

दुनिया में महिलाएं पुरुषों से किसी मामले में पीछे नहीं हैं। भारत समेत दुनिया के कई देशों में महिलाएं ट्रेन से लेकर प्लेन तक उड़ा रही हैं। लेकिन क्या जानते हैं कि दुनिया में किस महिला ने सबसे पहले कार चलाई थी? भारत में पहली बार कार चलाने वाली महिला कौन थी? आज हम आपको इन सवालों के जवाब बताएंगे।

इस भागदौड़ भरी दुनिया में महिलाएं सभी काम कर रही हैं। महिला कार भी चला रही हैं, लेकिन इसमें सबसे बड़ा योगदान बेर्था बेंज का है। बेंथा बेंज दुनिया की वह महिला हैं जिन्होंने सबसे पहले कार चलाई थी। उन्होंने मर्सिडीज बेंज के संस्थापक और अपने पति कार्ल बेंज की बिना अनुमति के कार चलाई थी। बेंजा ने पहली बार 106 किमी तक कार चलाया था। सबसे खास बात यह है कि इस कार में सिर्फ तीन पहिए थे। फोर्ड से बहुत पहले कार्ल बेंज ने काम करने वाली कार बना दी थी।

फोर्ड ने दुनिया की पहली और सस्ती कार को बाजार में उतारा था। यह सस्ती कार मॉडल-टी थी, लेकिन कार्ल बेंज ने पहले ही पहली कार के तौर पर पेटेंट-मोटर व्हीकल मॉडल-3 बनाई थी। हालांकि बनाने के तीन साल तक एक भी कार की बिक्री नहीं हुई। इसके बाद बेर्था ने कार्ल बेंज को सलाह दी कि नई कार को सड़क पर चलाकर दिखाया जाना चाहिए। इससे लोगों को कार के बारे में जानकारी मिलेगी और इसकी बिक्री होगी। बेर्था की इस विचार से कार्ल बेंज सहमत नहीं थे। उन्होंने सड़क पर कार को चलाकर प्रदर्शन करने की इजाजत नहीं दी।

बिना मंजूरी के बेर्था ने चलाई कार

बेर्था ने अगस्त 1888 में कार को पति कार्ल बेंज और कंपनी के अधिकारियों से बिना इजाजत के सड़क पर कार को चलाया। उन्होंने इसकी क्षमता को दिखाने के लिए 106 किमी तक कार चलाई। इसके बाद वह दुनिया की कार चलाने वाली पहली महिला बन गई।

लहसुन-प्याज के नाम से खौफ खाते हैं इस गांव के लोग, सालों से किसी ने नहीं चखा स्वाद

प्याज और लहसुन अपने घटते-बढ़ते दामों की वहज से हमेशा खबरों की हेडलाइन में बने रहते हैं। ज्यादातर घरों में इनका इस्तेमाल किया जाता है। प्याज-लहसुन के इस्तेमाल से खाने का स्वाद बढ़ जाता है। यह शरीर की इम्युनिटी पर जबरदस्त असर दिखाते हैं और मौसमी बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। इतने फायदे होने के बाद भी कई लोग इससे परहेज करते हैं लेकिन आज हम आपको एक ऐसे गांव के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पिछले 40 से 45 सालों से लहसुन-प्याज का इस्तेमाल नहीं किया गया है। गांव में मौजूद सभी घरों में लहसुन-प्याज खाने से लोग दूरी रखते हैं। इसका इतना खौफ है कि इसे बाजार से भी नहीं खरीदते हैं। जिस गांव का यहां जिक्र किया जा रहा है, वह बिहार के जहानाबाद के नजदीक है। यह गांव जहानाबाद जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित है जिसे त्रिलोकी बिगहा गांव के नाम से जाना जाता है जोकि चिरी पंचायत के अंतर्गत आता है। इस गांव में तकरीबन 30 से 35 घर मौजूद हैं और यहां के सभी घरों में प्याज और लहसुन खाने की साफ मनाही है। यहां के सभी लोग बिना प्याज और लहसुन का खाना खाते हैं। त्रिलोकी बिगहा गांव के बुजुर्ग बताते हैं कि इस गांव में तकरीबन 40 से 45 साल पहले ही लोगों ने प्याज और लहसुन खाना छोड़ दिया था और इस परंपरा का पालन यहां के लोग लंबे समय से करते चले आ रहे हैं। गांव के बुजुर्गों की मानें तो गांव में ठाकुरबाड़ी का मंदिर मौजूद है जो कि सालों पुराना है और इसी मंदिर की वजह से लोगों ने लहसुन-प्याज से दूरी बना ली है। उनका कहना है कि कई लोगों ने इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश की तो उनके घरों में कई तरह की अनहोनी देखी गई। इन घटनाओं के बाद यहां के लोगों ने लहसुन-प्याज खाना ही नहीं बल्कि बाजार से लाना भी छोड़ दिया। सिर्फ लहसुन और प्याज ही नहीं इस गांव में मांस और शराब जैसी चीजों की सख्त मनाही है। यहां आपको कोई भी शराब पीते हुए नहीं नजर आएगा और यहां के लोगों ने मांस का भी त्याग कर रखा है।

भाजपा में है ज्ञान की कमी : शरद पवार

साधा निशाना- आदिवासियों को 'वनवासी' कहना अपमानजनक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि 'आदिवासियों को 'वनवासी कहना अपमानजनक है और जो लोग इस शब्द का इस्तेमाल करते हैं वे अपनी अज्ञानता दिखाते हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, कि कुछ लोग जंगलों में रहने वालों की तरह आदिवासियों को 'वनवासी कहना पसंद करते हैं, अगर मैं यह कहूं कि आदिवासियों को वनवासी कहना अपमान है तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। वे आदिवासी हैं।

उन्होंने कहा, वे जल, जंगल और जमीन के वास्तविक मालिक है, जो लोग इस तरह के शब्दों (वनवासी) का उपयोग करते हैं, वे आदिवासियों के प्रति अपनी अज्ञानता के साथ-साथ इस देश में जंगलों के संरक्षण के प्रयासों के प्रति अपनी अनभिज्ञता को भी प्रदर्शित करते हैं, इसका (वनों को संरक्षित करने का) श्रेय उनका (आदिवासियों का) है। पवार के नेतृत्व वाले संगठन 'यशवंतराव चव्हाण प्रतिष्ठान ने अपना जनजातीय कल्याण केंद्र शुरू किया।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे आदिवासियों के लिए अपमानजनक शब्द वनवासी का इस्तेमाल कर रहे हैं, पिछले साल नवंबर में मध्य प्रदेश में एक रैली के दौरान गांधी ने कहा था कि आदिवासियों को वनवासी कहकर उनका अपमान करने के लिए भाजपा को हाथ जोड़कर माफी मांगनी चाहिए।

जनता की आवाज दबा रही केंद्र सरकार : सचिन पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर । राजस्थान के पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा ने पिछले आठ-नौ साल में जनता की आवाज को दबाने का काम किया है। ईडी, सीबीआई औइ इनकम टैक्स विभाग के जरिए दूसरी पार्टी के नेताओं पर झूठे मुकदमें दर्ज कराकर उन्हें डराने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि वे जनता के मुद्दों को पुरजोर तरीके से ना उठा सके।

पायलट ने कहा- दिल्ली में बैठी भाजपा सरकार का एक ही काम है कि उनसे वैचारिक और राजनैतिक मतभेद रखने वाले लोगों को डराया-धमकाया जाए। जनता की आवाज को दबाकर और मनमाने तरीके से सत्ता में रहा जाए। भाजपा ने महंगाई को बढ़ाया है, युवा विरोधी अग्निवीर योजना को लागू किया, किसान विरोधी कानून बनाए और जब विपक्ष के नेता जनता के इन मुद्दों पर बोलते हैं तो जांच एजेंसियों के माध्यम से उनकी आवाज को दबाने का काम किया जाता है। यह व्यवस्था स्वस्थ्य लोकतंत्र के लिए हानिकारक है।

ये चुनावी साल है, अब नये-नये नेता, नये-नये राजनैतिक दल आपके बीच आएंगे। आपको धर्म, जाति, भाषा और लिंग के नाम पर बहकाने की कोशिश करेंगे। लेकिन, आपको उनके बहकावे में नहीं आकर विकास के मुद्दों पर चर्चा करनी होगी। जिन लोगों ने आपके सुख-दु:ख में साथ दिया, क्षेत्र में विकास किया है, उन्हें राजनैतिक ताकत देकर उनके हाथों को मजबूत करना होगा।

कतर जा रही इंडिगो फ्लाइट की पाकिस्तान में इमरजेंसी लैंडिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन की दोहा जा रही एक फ्लाइट को पाकिस्तान के कराची में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। दरअसल फ्लाइट में एक मेडिकल इमरजेंसी के चलते यह फैसला किया गया। इंडिगो एयरलाइन ने यह जानकारी दी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फ्लाइट में सवार एक यात्री की तबीयत बिगड़ने के बाद फ्लाइट को कराची में लैंडिंग कराई गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट 9ई1736 दिल्ली से कतर की राजधानी दोहा जा रही थी। यात्रा के दौरान एक यात्री ने तबीयत खराब होने की शिकायत की, जिसके बाद प्लेन के पायलट ने नजदीकी कराची एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इसकी सूचना दी और इमरजेंसी लैंडिंग की इजाजत मांगी। कराची एटीसी ने लैंडिंग की इजाजत दे दी। हालांकि यात्री की मौत होने की खबर है।

चारबाग में रेलवे पार्किंग में हो रही अवैध वसूली

आम लोगों से करते हैं बदतमीजी, अधिकारी मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन की पार्किंग में ठेकेदारों की मनमानी जारी है। पार्किंग के माफिया आम जनता की जेब को लूटने में लगे हैं। आलम यह है कि मुख्य प्रवेश द्वार पर एंट्री टिकट, फिर कैबवे साइड ड्रॉप करने पर 60 रु का टिकट दोबारा, फिर स्टेशन के एक्जिट गेट पर 20रु दोबारा जबरन वसूला जाता है।

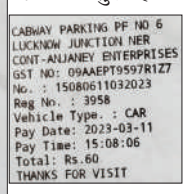

अगर किसी ने आपत्ति की तो उसे धमकी दिया जाता है कहा जाता है कि जिससे चाहो शिकायत कर दो, पैसे तो देने होंगे। पार्किंग शुल्क वसूलने वाले भी लोगों से बत्तमीजी करते हैं।

नियमानुसार 10 मिनट तक फ्री होता है पर चारबाग बड़ी लाइन से छोटी लाइन होते हुए जब जायेंगे तो तुरंत 60 रूपये मांगेंगे और ऐसे मांगते हैं जैसे सरकार ने प्राइवेट गुंडे हायर किए हुए हैं! यहां 60+20 शुरू हो गया है, स्टेशन एक पार्किंग के पैसे 2 बार लिए जाते हैं। सबसे बड़ी बात संचालन करने वाले गुंडानुमा लोग सबको डील करते हैं।

अगर शिकायत की जाती है तो अधिकारी इससे पल्ला झाड़ लेते हैं। किसी विभाग या अधिकारी को इसमें कुछ गलत नहीं दिखता। कुछ लोगो ने भी इसकी शिकायत संबंधित अधिकारियों से की है।

सड़क हादसे में सेना के जवान समेत दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मऊ। यूपी के मऊ जिले में एक भीषण सड़क हादसे में छुट्टी पर घर आए सेना के जवान समेत दो युवकों की मौत हो गई। हादसा बीती रात मुहम्मदाबाद गोहना कोतवाली के कोइरियापार बाजार के पास हुआ। युवकों की मौत से परिजनों में कोहराम मचा है।

मुहम्मदाबाद गोहना क्षेत्र के अन्नुपार निवासी सेना के जवान मुकेश यादव (27) होली पर छुट्टी लेकर घर आए थे। बीती शाम किसी काम से बाइक से कोइरियापार बाजार गए थे। देर रात घर लौटते समय ऑटो को ओवरटेक करने की कोशिश में उनकी बाइक टक्कर घोसी कोतवाली क्षेत्र के गौआबारी निवासी करन चौहान (23) पुत्र घूरा चौहान की बाइक से हो गई। बाइकों की गति इतनी ज्यादा थी कि मुकेश और करन हवा में उछलकर 50 मीटर दूर जा गिरे। मौके पर जुटे लोगों ने घायलों को अस्पताल भेजते हुए पुलिस को सूचना दी। अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

व्यापारियों ने जमकर खेली फूलों की होली

बिजनेस कनेक्ट लखनऊ ने किया होली मिलन का आयोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। होली के रंग वीसीएल के संग थीम के साथ बिजनेस कनेक्ट लखनऊ के व्यापारियों ने होली मिलन का आयोजन किया। रविवार को लखनऊ के गोमती नगर विस्तार में बीसीएल के समारोह में व्यापारियों ने जमकर फूलों की होली खेला। उत्सव की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों से हुई जिसमे बच्चों और महिलाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया ।

लखनऊ जनकल्याण महासमिति द्वारा व्यापारियों के लिए तैयार किए गए बीसीएल मंच के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में कवियों के काव्य पाठ भी हुवे। लखनऊ जनकल्याण महासमिति के अध्यक्ष एवं बीसीएल के निदेशक उमाशंकर दुबे ने बताया कि कोविड काल मे सबसे ज्यादातर बुरा प्रभाव व्यपारियों पर पड़ा था जिन्हे सहारा देने का कार्य लखनऊ जनकल्याण महासमिति ने किया। सभी व्यापारी बीसीएल के माध्यम से एक दूसरे के व्यापार को आगे बढ़ा रहे है। लखनऊ जनकल्याण महासमिति द्वारा लखनऊ के व्यापारियों के लिए बनाया गया एक ऐसा प्लेटफार्म है जिसमे 100 से अधिक अलग अलग व्यापार से जुड़े व्यापारी लखनऊ की जनता को उचित दरों पर बेहतरीन सेवाएं दे रहे है साथ ही साथ एक दूसरे के सहयोग से अपने अपने व्यापार को आगे बढ़ा रहे है और कोविड काल मे जो उनका व्यापार प्रभावित हुवा था उससे उबर रहे है।

साढ़े तीन साल बाद बोला विराट का बल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के चौथे और आखिरी मैच में विराट कोहली ने टेस्ट में अपने शतकों का सूखा खत्म कर दिया है। उन्होंने अहमदाबाद में अपने टेस्ट करियर का 28वां शतक लगाया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह उनका 75वां शतक है। इसके साथ ही वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर आ गए हैं। सचिन ने भारत के लिए कुल 100 शतक लगाए थे। वहीं, विराट अब तक 75 शतक लगा चुके हैं। इनमें से 28 शतक टेस्ट में, 46 वनडे में और एक टी20 में आया है।

टेस्ट क्रिकेट में विराट कोहली का पिछला शतक नवंबर 2019 में बांग्लादेश के खिलाफ आया था। इसके बाद से वह टेस्ट क्रिकेट में शतक नहीं लगा पाए थे। अब उन्होंने यह सूखा खत्म किया है। विराट कोहली ने 23 मैच और 41 पारी बाद टेस्ट क्रिकेट में शतकीय पारी खेली है। इससे पहले टेस्ट में दो शतकों के बीच उन्हें अधिकतम 11 पारी का इंतजार करना पड़ा था। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका 16वां शतक है। उन्होंने टेस्ट और वनडे में आठ-आठ शतक लगाए हैं।

दूसरा सबसे धीमा शतक

टेस्ट में यह विराट कोहली का दूसरा सबसे धीमा शतक भी है। इस शतक के लिए उन्होंने 241 गेंदों का सामना किया। कोहली का सबसे धीमा शतक 2012 में नागपुर के मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ आया था। उस मैच में उन्होंने अपने शतक के लिए 289 गेंदों का सामना किया था। विराट कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16वीं बार शतकीय पारी खेली है। वह किसी एक देश के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले पर तीसरे नंबर पर हैं। इस मामले में सचिन सबसे ऊपर हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 20 शतक लगाए। वहीं, दूसरे नंबर पर डॉन ब्रैडमैन हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 19 शतक लगाए थे।

ड्रॉ हो सकता है मैच

अहमदाबाद टेस्ट ड्रॉ होने की कगार पर पहुंच गया है। इस मुकाबले में पांचवें दिन का खेल जारी है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी पारी में बल्लेबाजी कर रही है। इसके बाद भारत की एक पारी भी बाकी है। ऐसे में यह मैच ड्रॉ होने की संभावना बहुत ज्यादा है। हालांकि, खबर लिखे जाने तक भारत के पास 70 रन से ज्यादा की बढ़त है। अगर भारतीय गेंदबाज कमाल करते हैं और ऑस्ट्रेलिया को 100 रन के अंदर आउट कर देते हैं तो टीम इंडिया यह मैच जीत सकती है।

चोटिल श्रेयस का वनडे सीरीज में खेलना मुश्किल

अहमदाबाद। टेस्ट के दौरान भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के मध्यक्रम बल्लेबाज श्रेयस अय्यर चोट के चलते पूरे मैच से बाहर हो गए हैं। उन्हें मैच के तीसरे दिन पीठ के निचले हिस्से में दर्द हुआ था। इसके बाद वह भारत की पहली पारी में बल्लेबाजी के लिए नहीं आए।

उमेश पाल हत्याकांड: अतीक की पत्नी शाइस्ता जाएंगी हाईकोर्ट की चौखट पर

» गिरफ्तारी से बचने को दाखिल करेंगी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन आज इलाहाबाद हाइकोर्ट में याचिका दाखिल करेंगी। शाइस्ता परवीन की तरफ से इलाहाबाद हाइकोर्ट में गिरफ्तारी से बचने के लिए याचिका दाखिल होगी। याचिका में शाइस्ता की ओर से गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की गई। ज्ञात हो कि पुलिस ने अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन की गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया है।

फिलहाल कई ठिकानों पर दबिश डालने और सुराग लगाने के बाद भी वह हत्थे नहीं चढ़ सकी है। उमेश पाल की हत्या के बाद उनकी पत्नी जया पाल ने अतीक अहमद, उसके भाई अशरफ और शाइस्ता परवीन को नामजद किया था। इसके अलावा गुड्डू मुस्लिम और गुलाम को भी नामजद किया गया है। इस मुकदमे में बाद में अतीक के बेटे असद को भी पुलिस ने नामजद किया गया था। कुछ और के नाम भी सामने

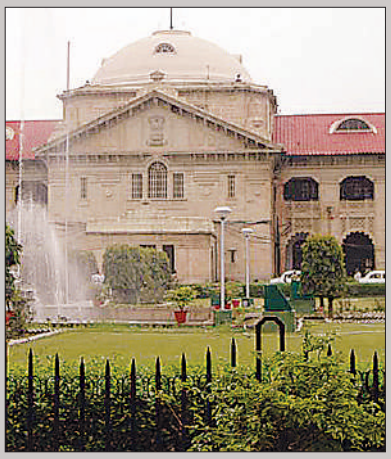

आए थे। पुलिस इस मामले में असद, गुड्डू मुस्लिम, अरमान, साबिर और गुलाम पर पहले ही ढाई लाख का इनाम घोषित कर चुकी है।शनिवार को पुलिस ने अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन पर भी 25000 के इनाम की घोषणा कर दी। उमेश पाल हत्याकांड में नामजद होने के बाद शाइस्ता परवीन फरार हो गई थी।

पूछताछ करने साबरमती जेल पहुंची एसटीएफ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड के मामले में माफिया अतीक अहमद को लेकर यूपी एसटीएफ और पुलिस सक्रिय नजर आ रही है। एक ओर जहां करीबियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है तो वहीं अब अतीक अहमद से पूछताछ की भी पूरी तैयारी कर ली गई है। जानकारी के मुताबिक, गुजरात के साबरमती जेल में बंद अतीक अहमद से पूछताछ के लिए एसटीएफ की टीम रवाना हो चुकी है।

अतीक को यूपी लाने की तैयारी

माफिया अतीक इस समय साबरमती जेल में बंद है। जहां पर एसटीएफ के अधिकारी उससे हत्याकांड के बारे में पूछताछ करेंगे। बताया जा रहा है कि अतीक को गुजरात से यूपी लाने की पूरी तैयारी कर ली गई है। इसका आदेश कभी भी जारी हो सकता है। इसके लिए एसटीएफ की ओर से सारी प्लानिंग भी कर ली गई है। इसकी जिम्मेदारी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट अनंत देव तिवारी को दी गई है।

असद समेत 5 आरोपी फरार

प्रयागराज पुलिस और यूपी एसटीएम की पड़ताल में पता चला कि उमेश पाल हत्याकांड को 7 शूटर्स ने अंजाम दिया था। इनमें अरबाज और विजय उर्फ उस्मान को एनकांउटर में यूपी पुलिस ने ढेर कर दिया, जबकि अतीक का बेटा असद अहमद समेत 5 अभी फरार हैं। सभी शूटर्स पर इनामी राशि को 50-50 हजार से बढ़ाकर 2.50-2.50 लाख रुपए कर दिया गया था। वहीं, बीते रविवार को अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के खिलाफ भी 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

रक्षा मंत्रालय को 'सुप्रीम' फटकार

» कहा, वन रैंक वन पेंशन नीति पर नोटिफिकेशन वापस ले मंत्रालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को वन रैंक वन पेंशन नीति के तहत पेंशन भुगतान सख्त रुख अख्तियार करते हुए कहा है कि रक्षा मंत्रालय को अपना नोटिफिकेशन वापस लेना होगा। मामले की सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस ने भारत सरकार की ओर से अभी तक पेंशन न दिए जाने पर नाराजगी जताई। इस मामले में 20 जनवरी के रक्षा मंत्रालय के नोटिफिकेशन पर सुप्रीम कोर्ट ने रक्षा सचिव की जमकर फटकार लगाई और उन्हें कानून से परे न जाने की सख्त हिदायत भी दी। कोर्ट ने आदेश के बाद सरकार का नोटिफिकेशन कोर्ट की अवमानना है।

चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमारे भूतपूर्व सैनिकों और शहीदों की विधवाओं को इस तरह से परेशान नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने रक्षा मंत्रालय से इस संबंध में एक नोट मांगा है। जिसमें ये बताना होगा को वन रैंक वन पेंशन के तहत दिए जाने वाले पेंशन एरियर को लेकर क्या प्रगति हुई है और कौन-कौन से कदम उठाए गए हैं। सरकार की तरफ से पेश अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट को बताया कि 28 लाख में से 7 लाख आवेदनों को संस्तुति दे दी गई है। इस संबंध में कागजी कार्रवाई में काफी मुश्किलें आ रहे हैं जिनका हल निकालने के लिए रक्षा मंत्रालय लगा हुआ है। पेंशन की पहली किश्त 31 मार्च से पहले रिलीज कर दी जाएगी।

बारिश और ओलावृष्टि के आसार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अधिकतर राज्यों में पारा अब बढ़ रहा है। जिससे देशवासियों को मार्च महीने के दूसरे सप्ताह में ही भीषण गर्मी का अहसास हो रहा है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। जिसके कारण देश के पहाड़ी राज्यों में गरज के साथ बारिश की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार 14 मार्च तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में गरज के साथ बारिश हो सकती है। साथ ही हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कुछ एक स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई है। इसके अलावा मौसम विभाग ने बताया

कि 15 से 17 मार्च के बीच दक्षिण, मध्य व पूर्वी भारत में वर्षा का दौर भी शुरू हो सकता है। वहीं, दिल्ली में लगातार बढ़ती से लोगों का हाल-बेहाल हो गया है। रविवार को दिल्ली में दिन का तापमान 34 डिग्री के पार चला गया। तीन इलाकों में यह 35 डिग्री से भी अधिक रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले चार-पांच दिन तापमान में गिरावट के कोई आसार नहीं हैं। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को भी ऐसा ही मौसम बना रहेगा। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमश: 34 और 16 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

यूपी-बिहार में सामान्य रहेगा मौसम

वहीं, यूपी की राजधानी लखनऊ में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री रह सकता है। इसके अलावा अधिकतम तापमान 33 डिग्री दर्ज किए जाने की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि यूपी के ज्यादातर शहरों का मौसम सामान्य ही रहेगा। इसके अलावा मौसम विभाग ने उत्तर बिहार के कुछ जिलों में अगले दो दिनों के दौरान बारिश होने की संभावना जताई है।

भाजपा विधायक के बेटे पर लगा मारपीट का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा विधायक के बेटे व उसके गुर्गों संग युवकों को होटल में बेरहमी से पीटने का मामला सामने आया है। एक शादी समारोह में विधायक के होटल में चोरी हुई तो युवकों पर आरोप लगाकर गुंडई की गई। **पीड़ित युवकों ने बताया कि चोरी के आरोप में युवकों को भाजपा विधायक राजेंद्र मौर्य के बेटे आशीष उर्फ पिंटू ने गुर्गों संग पीटा और कमरे में बंद कर दिया।**

चोरी के आरोप में की गुंडई

हालांकि जब मामला बढ़ा तो सीसीटीवी फुटेज खंगाला गया पर युवकों के खिलाफ चोरी का कोई सबूत नहीं मिला। इस मामले में विधायक के पुत्र ने कहा कि मेरे से कोई मतलब नहीं मै बीमार हूं मेरा इलाज चल रहा है। हालांकि युवकों ने वीडियो जारी कर विधायक पुत्र व दोस्तों पर मारने का आरोप लगाया है। विधायक पुत्र ने कहा कि होटल में चोरी की होगी तो लोगो ने पीटा होगा..हमसे कोई मतलब नही, विधायक और मेरी छवि को धूमिल करने की कोशिश की जा रही है । इससे पहले भी विधायक पुत्र पर का आरोप लग चुका है।

फोटो: सुमित कुमार

धरना राजधानी लखनऊ में आज कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी के नेतृत्व में महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ राजभवन कूच किया। जिन्हें बैरिकेटिंग लगाकर पुलिस ने रोक लिया, जिससे धक्का मुक्की का माहौल रहा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।